ज्ञान सरोवर

"सच्ची खोज अच्छी खबर"

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 17 अंक : 23 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 31 जुलाई से 06 अगस्त, 2025 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

बिहार में पत्रकारों की बल्ले-बल्ले! मासिक पेंशन 6 हजार से बढ़कर 15 हजार हुई

नयी दिल्ली(संवाद सूत्र)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना' के तहत पत्रकारों की मासिक पेंशन में बढ़ोतरी की घोषणा की। पात्र पत्रकारों को अब 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, जो पहले 6,000 रुपये प्रति माह थी। इसके अलावा, इस योजना के तहत पेंशन प्राप्त करने वाले पत्रकार की मृत्यु होने पर, मृतक की पत्नी को आजीवन 10,000 रुपये प्रति माह पेंशन मिलेगी। पहले ऐसी महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह मिलते थे। इस संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संबंधित विभाग को निर्देश दे दिए हैं। इसको लेकर नीतीश ने एक्स पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत अब सभी पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रू. की जगह 15 हजार रू. पेंशन की राशि प्रदान करने का विभाग को निर्देश दिया है। साथ ही बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पत्रकारों की मृत्यु होने की स्थिति में उनके आश्रित पति/ पत्नी को जीवनपर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार रुपये की जगह 10 हजार रुपये की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगे लिखा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारों की सुविधाओं का हमलोग शुरू से ख्याल रख रहे हैं ताकि वे निष्पक्ष होकर अपनी पत्रकारिता कर सकें और सेवानिवृत्ति के उपरांत सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन-यापन कर सकें। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस कदम को जेडीयू का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

नीतीश कुमार की अन्य प्रमुख घोषणाएँ

– वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं के लिए मासिक पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है।

– मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की। यह फैसला 1 अगस्त, 2025 से लागू होगा और उपभोक्ताओं को जुलाई के बिल से ही इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

– बिहार सरकार ने अगले पाँच वर्षों में 1 करोड़ सरकारी नौकरियों और अन्य रोज़गार के अवसरों की घोषणा की।

गौ राष्ट्र यात्रा का मुलुंड में गौ समृद्धि धाम द्वारा भव्य स्वागत

मुंबई– "गौ आधारित भारत के पुनःनिर्माण की ओर" का लक्ष्य लेकर 15 जून से ऋषिकेश से रामेश्वरम तक 61 दिनों की सड़क यात्रा, 12राज्यों से होती हुई, गौ राष्ट्र यात्रा भारत सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में शुरू हुई स इस गौ राष्ट्र यात्रा का मुलुंड, मुंबई में गौ समृद्धि धाम के संस्थापक अध्यक्ष राकेश राघवन के नेतृत्व में सुप्रसिद्ध बाल राजेश्वर महादेव मंदिर पर तुतारी, ढ़ोल, मंजिरे के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा,राकेश शेट्टी (प्रवक्ता महाराष्ट्र कॉग्रेस), मुंबई कांग्रेस के महासचिव सुनील गंगवानी,वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. बाबूलाल सिंह एवं बालराजेश्वर भक्त मंडल बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भगवान शिवजी के दर्शन के पश्चात् जुलुस निकाल कर गौ राष्ट्र यात्रा, संतोषीमाता मंदिर होते हुए नाथूलाल जी चैरिटेबलट्रस्ट, मुलुंड प. स्थित गौशाला पर सभा में परिवर्तित हो गया स गौशाला के ट्रस्टी दीपक मेंगर ने सभी का स्वागत किया एवं समृद्ध गौशाला का निरिक्षण करवाया।

इस अवसर पर राकेश राघवन ने भारत सिंह राजपुरोहित, चरण सिंह सप्रा, राकेश शेट्टी, दीपक मेंगर, डॉ. बाबूलाल सिंह, श्रीमती सुजाता पाठक(पूर्व नगरसेविका), कैलाश पाटील, अरविन्द यादव, अजय पटेल, निर्मला सोनावणे, मैथ्यु चेरियन का शाल एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए भारत सिंह राजपुरोहित ने कहा कि गौ माता द्वारा दिए गये, दूध, घी, गौ मूत्र, गोबर सभी का सदुपयोग मानव की भलाई के लिये हो रहा है स लोग इसे व्यापार के रूप में अपना कर अच्छा धनोपार्जन कर रहे है स इसलिए देश में गौ माता की सेवा और घर घर पालने की योजना लोगों तक पहुंचाने हेतु यह यात्रा शुरू की गयी है स गौशाला के संचालन में आ रही दिक्कतों के लिये उपाय एवं योजना के लिये सरकारी सहयोग हेतु वे सदैव उपलब्ध है। इस अवसर पर उपस्थित सभी नेताओं एवं समाजसेवीयों ने भी गौ सेवा में हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। राकेश राघवन ने बतलाया कि गौ समृद्धि धाम (एन जी ओ) के माध्यम से कुसुम फार्म, शील फाटा रोड़, ठाणे में गौशाला संचालन कर रहे हैं। इस अवसर पर हेमंत बापट, संजय घरत, श्रीकृष्णा कानेकर,हेमंत ठाकुर, रिजवान शेख,पीताम्बर साहू, अशोक पाटेकर, सन्नी सावला, विजय पाटेकर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुलुंड कांग्रेस द्वारा छाता वितरण

मुंबई–मुलुंड कांग्रेस द्वारा सेवक संस्था के सहयोग से संजय गाँधी नगर, बाबू जगजीवन राम नगर, डंपिंग रोड़, मुलुंड प. के रहिवासियो हेतु छाता वितरण का कार्यक्रम मुक्तेश्वर महादेव मंदिर हॉल, मुलुंड प. पर अरविंद यादव एवं राकेश राघवन द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में चरण सिंह सप्रा (कार्याध्यक्ष मुंबई कांग्रेस), डॉ. बाबूलाल सिंह (वरिष्ठ कांग्रेस नेता),किशोर मुंडेकल (सचिव), भरत सोनी (प्रवक्ता), उत्तम गीते (कार्याध्यक्ष ई. मु. जिला), नीता जोशी (महिला अध्यक्ष), कांग्रेस नेता संतोष सोनावणे, हरीश गुप्ता,हीरालाल भणगे, कमल चन्दनशिवे, संतोष गांवकर,अतुल जोशी उपस्थित रहे। इस अवसर पर 200लोगों को अतिथियों द्वारा छाता वितरण किया गया।

मुलुंड में वन सब्जी महोत्सव का आयोजन

मुंबईः– मराठमोळं मुलुंड एवम महाराष्ट्र शासन कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से "वन सब्जी महोत्सव" का आयोजन शनिवार दिनांक ०२ ऑगस्ट २०२५ को प्रातः १० बजे से दोपहर ४ बजे तक, मुलुंड हाईस्कूल, चंदनबाग, पाच रास्ता, मुलुंड (प) पर इस साल भी आयोजित किया गया है। बरसात के मौसम में बिना बोये लगभग १०० प्रकार की सब्जियां उग आती हैं और हमारे आदिवासी बंधु इन्ही सब्जियों को मार्केट में बेच कर अपनी आजीविका चलाते हैं।

आदिवासियों द्वारा पूरे महाराष्ट्र से उगी हुई सब्जियों को लोगो तक पहुंचाने एवम सब्जियों की जानकारी देने हेतु कृषि विभाग ने विश्व आदिवासी दिवस से यह उपक्रम पूरे महाराष्ट्र में लगाने का निर्णय किया है।उसी श्रृंखला में मुंबई में यह प्रदर्शनी लगाई जा रही है। आयोजको ने सभी लोगों से इस प्रदर्शनी में हिस्सा लेने एवम सब्जियों को खरीदने का अनुरोध किया है, जिससे की आदिवासी बंधुओ को आजीविका चलाने में मदद हो सके।

6वीं उत्तर प्रदेश ओपन राज्य स्तरीय स्केटिंग चैंपियनशिप में अंबेडकर नगर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

बस्ती मेरी बस्ती सवांददाता सुनील कुमार शर्मा अम्बेडकर नगर।

चौक स्टेडियम, लखनऊ में बीते रविवार को 6वीं उत्तर प्रदेश ओपन राज्य स्तरीय स्केटिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अंबेडकर नगर से जिला स्तर पर चयनित शिवांश चौधरी (पुत्र अजय कुमार),आदविक सिंह (पुत्र प्रमोद सिंह), तथा आरोही सिंह (पुत्री अखण्ड प्रताप सिंह) आदविक बरनवाल (पुत्र नवशीत बरनवाल) ने प्रतियोगिता में अपने जिले का प्रतिनिधित्व किया।प्रतियोगिता में अंबेडकर नगर के इन चारों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टीम का नेतृत्व एनटीपीसी टांडा टेवा क्लब के महासचिव सुरेंद्र कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंडल रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

कोच वीरेंद्र कुमार द्वारा खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के पूर्व समुचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।जिले के लिए यह गर्व का क्षण रहा जब आदविक सिंह ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल राउंड में स्थान सुनिश्चित किया। उनके प्रदर्शन ने न सिर्फ जिला बल्कि राज्य स्तर पर भी उनकी प्रतिभा की छाप छोड़ी।प्रतियोगिता के दौरान बच्चों के उत्साह, अनुशासन और खेल कौशल को देखकर दर्शकगण एवं आयोजन समिति के सदस्य अत्यंत प्रसन्न हुए और बच्चों की सराहना की।

केयर हेल्थ इंश्योरेंस फ़ोर्ट ब्रांच ने मंगल चंद सेठ का सम्मान किया

मुंबई महानगर के उपनगर अंधेरी नगर स्थित बेटर होम (अच्छा घर) होटेल के सभागार मे केयर हेल्थ इंश्योरेंस फ़ोर्ट ब्रांच के हेड जयेश ओभान ने अपनी टीम मे शानदार बिजनेस करने वाले हेल्थ एडवाइजर और एडवाइजर को प्रोत्साहित करने वाले टीम सदस्यो के सम्मान मे विशेष सेमीनार आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ केयर हेल्थ इंश्योरेंस के प्रशिक्षक राजीव नेगी ने केयर हेल्थ इंश्योरेंस द्वारा नया प्रोडेक्ट केयर चाईल्ड प्लान लांच किया और उसके बारे मे विस्तृत जानकारी के साथ समझाया। त्रय मासिक मे अच्छा बिजनेस करने वाले एडवाइजर मुकेश उदानी, भीनमाल निवासी मंगलचंद सेठ, अनिल सोनी, मिथुन अवाडे को सम्मानित किया गया। केयर हेल्थ इंश्योरेंस के रीजनल हेड लीजी थामस सर ने सबको अच्छा बिजनेस करने के लिए धन्यवाद सह आभार मानास।

कारगिल विजय दिवसः शौर्य और देशभक्ति को समर्पित

कारगिल विजय दिवस, हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है, जो भारत के सैन्य इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। इस दिन 1999 में, भारतीय सशस्त्र बलों ने कारगिल युद्ध में वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन के कब्जे से भारत की रणनीतिक चोटियों को मुक्त कराया था। यह अभियान, जिसे ऑपरेशन विजय कहा गया, भारत की साहस, समर्पण और अखंडता का प्रतीक है।

मुझे यह सौभाग्य प्राप्त हुआ कि मुझे डॉन बॉस्को हाई स्कूल, कल्याण, मॉडल कॉलेज ऑफ साइंस, आर्ट्स एंड कॉमर्स, कल्याण तथा साकेत कॉलेज, कल्याण में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ मैंने विद्यार्थियों को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर संबोधित किया और उन्हें प्रेरित किया।

इस विशेष दिन का महत्व केवल युद्ध में जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें राष्ट्रभक्ति, एकता और कर्तव्यनिष्ठा की सीख देता है। हमारे वीर सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में भी अद्वितीय साहस दिखाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी, ताकि हम एक स्वतंत्र और सुरक्षित भारत में सांस ले सकें। उनका बलिदान हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अपने संबोधन में मैंने छात्रों को यह संदेश दिया कि देशभक्ति केवल शब्दों में नहीं, कर्मों में होनी चाहिए। आज का युवा अगर ईमानदारी, परिश्रम और कर्तव्यनिष्ठा को अपनाए, तो यही उन वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आइए इस कारगिल विजय दिवस पर हम सभी अपने वीर जवानों को नमन करें, और संकल्प लें कि हम भी अपने–अपने क्षेत्र में देश की सेवा करेंगे।

जय हिंद! वंदे मातरम

In loving memory of the one who touched so many lives

With heavy hearts but with deep gratitude for a life well lived, we invite you to join us in remembering and celebrating the beautiful soul of

Rabindra Radhakishan Agarwal

who left for his heavenly abode on **30th July 2025.**

Let us come together to offer prayers for departed soul.

Sunday 3rd August 2025
2:00 PM to 4:00 PM

Venue: G.S. Shetty Grand Central Hall, Near Mulund Police Station, N.S. Road, Mulund West, Mumbai - 400080.

Fondly Remembered by Agarwal Family.

सम्पादकीय...

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच एफटीए

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आगामी एक अक्टूबर से लागू होगा। आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड ईएफटीए के सदस्य देश हैं। इस समूह का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विटजरलैंड है। बाकी के तीन देशों के साथ भारत का व्यापार बनिस्बत कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कारोबारी मामलों में मानसिक अस्थिरता और हर छोटे–बड़े देश पर टैरिफ थोपने की आतुरता के चलते ईएफटीए के तहत मिलने वाली बाजार पहुंच निश्चित ही भारत के लिए उत्साहजनक घटनाक्रम है। इस बाजार पेशकश में 100 फीसद गैर–कृषि उत्पाद और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर टैरिफ में रियायत शामिल हैं। समझौते में भारत 82.7 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए के 95.3 फीसद निर्यात को कवर करती है। दूसरी तरफ, ईएफटीए ने अपनी 92.2 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश की है। जाहिर है कि इससे दोनों पक्ष लाभान्वित हो सकेंगे। बताया गया है कि समझौता लागू होने से देश में दस लाख से ज्यादा नौकरियां निकलेंगी। साथ ही, घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट आदि कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगे। समझौते से भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आने तथा कई क्षेत्रों में परस्पर आर्थिक सहयोग गहराने की संभावना है। बीते 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर का एफडीआई इन देशों से भारत पहुंचा था। उम्मीद है कि एफटीए के कार्यान्यन से अगले 5 वर्षों में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी निवेश इन देशों से भारत पहुंचेगा। दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा मिले। दोनों ओर के कारोबारियों के लिए व्यापार–अनुकूल माहौल बने। इसके लिए डेडिकेटेड भारत–ईएफटीए डेस्क शुरू की जा रही है, जो सरकारों और निजी कंपनियों, दोनों के लिए एकल खिड़की प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी। विभिन्न देशों के ऐसे छोटे कारोबारी समूहों या ब्लॉकों के बीच होने वाले व्यापार समझौतों से अमेरिका जैसे बड़े देशों की दादागीरी पर यकीनन अंकुश लग सकेगा।

भारत उत्सव का देश है

हमारे मनीषियों ने हमें खुशी मनाने के कई अवसर प्रदान किए हैं।दुनियाँ के जंजाल से निकल कर कुछ दिन तो खुशी मना लो। इसलिए कई त्योहार बनाये।तरह तरह के।और जीव जन्तुओं को सम्मान दिलाने के लिए कुछ न कुछ मिथक भी गढ़े।जैसे आज नाग पंचमी है।नाग विषधर होता है।फिर भी हमारे मनीषियों ने उसके पूजन का भी विधान बना दिया।फिर भी हमारे कुछ मूढ़ भाई बहन विदेशी त्योहार मनाने के लिए लालायित दिखते हैं। जैसे पर्व मनाने की भूख बहुत अधिक है,और काम करने नहीं।

आज पूरे भारत में विषधर की पूजा होगी।लोग बड़े हर्षोल्लास के साथ इस त्योहार को मनाते हैं।हमारे उत्तर भारत में महिलायें सरोवर में गुड्डी बनाकर रंग विरंगे डंडो से पीटकर तालाब में डुबोती हैं।

यह एक पौराणिक कथा है और एक मान्यता है कि एक भाई बहन मंदिर में दर्शन करने गए भगवान शिव का।

वहां भाई के पैर में सांप लिपट गया।

बहन ने साँप को डंडे पीटकर मार दिया।हमारे यहाँ साँप को मारना अपराध माना जाता है।इसी अपराध से मुक्त होने के लिए बहने प्रतीक के रूप में खुद की गुड़िया बनाती हैं।और अपराध मुक्त होने के लिए उसे डंडे से पीटती हैं और तालाब नदी आदि में डुबाती हैं।यही कथा प्रतीक के रूप में मनाई जाती है। क्योंकि सांप को मारा था इसलिए दोष मुक्त होना जरूरी था।

वह खुद का पुतला बनाकर खुद को पीटकर दोषमुक्त करती हैं। यह एक मान्यता है।तदोपरांत ढूँढ़ ढूँढ़ कर हर बिल पर दूध व लावा चढ़ाती हैं।दोषमुक्त होने की खुशी में नाचती हैं झूला झूलती हैं और सावनी गीत कजरी का गायन कर खुशी मनाती हैं। पुरुष वर्ग दंगल का आयोजन करते हैं कूड़ी कूदते हैं दिनभर खुशियाँ मनाई जाती है।आज के दिन विशेषतः जानवरों को भी नहला धुलाकर उनकी सींग को तरह तरह के रंगो से सजाते हैं।आज के दिन जानवरों से भी कोई काम नहीं लिया जाता है।उनको भी गुड़ और आँटे की लोई खिलाते हैं।जैसे मानव तरह तरह के व्यंजन बनाकर खाते हैं।

आज ईश्वर से यही कामना है कि आज का दिन आप सभी का हर्षोल्लास के साथ बीते ही और आने वाला हर दिन खुशियों से भरा रहे।काव्यसृजन परिवार आनंदोत्सव की हार्दिक बधाई व शुभकामना प्रेषित करता है।

इसी अवसर पर स्वलिखित कजरी आप सबके लिए।आप सब भी गाइए और खुशी मनाइए झूमकर।

विषधर की पूजा

पूजा भारत में शशिधर के रोज होई,विषधर के आज होई ना–२

सावन पंचमी के दिन,नाग के लिए सुदिन–२

जगह जगह आजु ओनकर सत्कार होई।

विषधर के आज होई ना।।

पूजा भारत में————

दूध लावा सब चढ़ावइं,खेल कुस्ती क रचावइं–२

सबके मनवाँ में खुशी के संचार होई।

विषधर के रोज होई ना।।

पूजा भारत में————

विषधर शशिधर के हार,आजु ओनकर त्योहार–२

आजु पशुवन के घर घर श्रृंगार होई।

विषधर के आज होई ना।।

पूजा भारत में————

अइसन देश बा हमार,यहाँ विषधर का सत्कार–२

नाग पंचमी के यहाँ त्योहार होई।

विषधर के आज होई ना।।

पूजा भारत में————

–पं. जमदग्निपुरी

गति पर नहीं

प्रगति पर ध्यान दीजिए।
क्योंकि उद्देश्य आगे निकलना नहीं,
सही मार्ग पर बढ़ना है।।

दर्पण में मुख और संसार में सुख
'होता नहीं है, बस दिखता है...!

ओम शान्ति

बेहिसाब हसरतों के बीच,
तलाश सब की एक है..
किनारा सुकून का मिल जाए,
इसी पर दुनिया टिकी है।
जय गणपति देवा
जय जय श्रीराम

चन्द्रशेखर आजाद मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किये गये वरिष्ठ लेखक रामकेश जी

प्रदूषण

तेजस टूडे ब्यूरो

देवी प्रसाद शर्मा

आजमगढ़। जाने-माने वरिष्ठ लेखक, गीतकार, पत्रकार व रॉयल्टी प्राप्त कवि रामकेश एम. यादव को राजस्थान स्थित संगम अकादमी कोटा के संस्थापक और सी.ई.ओ. ओम प्रकाश लवलंशी ने साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय व सराहनीय कार्य के लिए चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया। श्री यादव जनपद के ग्राम तेजपुर ब्लॉक–तहसील मार्टिनगंज के निवासी हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री यादव का गद्य-पद्य दोनों विधाओं पर समान अधिकार है। मुम्बई महानगर पालिका मुंबई में शिक्षक पद से सेवानिवृत्त होकर श्री यादव सम-सामयिक साहित्य तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़कर समाज को एक नया आयाम दे रहे हैं। गौरतलब है कि दीनदयाल पुरस्कार सहित 423 पुरस्कारों व सम्मान पत्रों तथा 1700 लेखों-पत्र-लेखों के अलावा 26 पुस्तकें लिख चुके श्री यादव को इस उपलब्धि पर लेखकों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने बधाई दिया है।

नारायण फ़ाउंडेश के इंतज़ाम से परीक्षार्थी गदगद, विवेक मौर्य के प्रयासों को सराहा

यह व्यवस्था मौर्या स्टेट मैरिज लॉन, मौर्य नगर, पुंथर, टांडा में की है

जौनपुर, भदोही, गोरखपुर व दिल्ली से आए 150 से ज़्यादा परीक्षार्थियों ने विवेक मौर्य द्वारा दी गई इस सुविधा का लाभ उठाया।

यह हमारे लिए बहुत बड़ी राहत की बात थी क्योंकि अमूमन परीक्षा के समय होटल फ़ुल होते हैं और रुकने के लिए हमें भटकना पड़ता है। विवेक मौर्य द्वारा हमें बिल्कुल साफ़ सुथरी व बड़ी रुकने की जगह, सर्वोत्तम भोजन व पढ़ने के लिए अच्छा माहौल व आवागमन के लिए गाड़ियाँ उपलब्ध कराई गईं। यह अपने आप में अत्यन्त सराहनीय है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।ऐसे आयोजनों से ज़िले का सम्मान बढ़ता है और दूर तक एक सकारात्मक संदेश जाता है।

विभिन्न ज़िलों के 150 से ज़्यादा परीक्षार्थियों ने उठाया नारायण फ़ाउंडेशन की सुविधा का लाभ

बस्ती मेरी बस्ती सवांददाता सुनील कुमार शर्मा अम्बेडकर नगर। उत्तर प्रदेश की अग्रणी समाजसेवी संस्था नारायण फ़ाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य द्वारा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (RO/ARO) परीक्षा के अभ्यर्थियों जिनका परीक्षा केंद्र अंबेडकरनगर है, उनके लिए निःशुल्क आवास, भोजन और विश्राम की व्यवस्था करने की परीक्षार्थियों ने मुक्त कंठ प्रशंसा की व नारायण फ़ाउंडेशन व विवेक मौर्य के प्रयासों को जमकर सराहा है।नारायण फ़ाउंडेशन द्वारा यह सेवा उन परीक्षार्थियों के लिए की गई जिनका परीक्षा केंद्र अम्बेडकरनगर में है और जो बाहरी जिलों से आएंगे। यह व्यवस्था मौर्या स्टेट मैरिज लॉन, मौर्य नगर, पुंथर, टांडा में की है जहां परीक्षा की पूर्व संध्या अभ्यर्थियों का स्वागत किया जाएगा। जौनपुर, भदोही, गोरखपुर व दिल्ली से आए 150 से ज़्यादा परीक्षार्थियों ने विवेक मौर्य द्वारा दी गई इस सुविधा का लाभ उठाया।विवेक मौर्य द्वारा इस पहल का उद्देश्य था कि परीक्षार्थी परीक्षा से पहले पूरी तरह तनावमुक्त रहें तथा बाहरी ज़िलों से आये छात्रों को रुकने, खाने या अन्य असुविधाओं की चिंता न करनी पड़े।प्रयागराज में प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी कर रहे गोरखपुर के छात्र शुभम तिवारी व जौनपुर के छात्र अजय सिंह नारायण फ़ाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि " किसी ज़िले में सेंटर पड़ने पर हम परीक्षार्थियों का सबसे बड़ा तनाव रुकने को लेकर होता है जिसका असर हमारी परीक्षा पर पड़ता है। अम्बेडकरनगर आने पर हमें पता चला कि नारायण फ़ाउंडेशन द्वारा हमारे लिए निःशुल्क रुकने, खाने व अन्य सुविधाओं का इंतज़ाम किया गया है।

THE MULUND BHAJANA SAMAJ

WELCOMES YOU TO

PRATHISTA DAY CELEBRATIONS

VANI VIDYALAYA TEMPLE COMPLEX

03 Aug SUNDAY

06:30 AM GANAPATHY HOMAM

08:00 AM ONWARDS SANKALPAM AND KALASHASTHAPANAM

FOLLOWED BY

- POOJA, JAPAM ,HOMAM
- KALASHABHISHEKAM
- ARCHANAI AND NEIVEDYAM

FOR SRI.GANAPTHY,SRI SASTHA, SRI ANJANEYAR AND SRI RAMACHANDRA PRABHU

12:30 PM DEEPARADHANAI & MAHAPRASADAM

WE WELCOME YOUR CONTRIBUTIONS

Rs.501	GANAPATHY HOMAM
Rs.1001	KALASHABHISHEKAM FOR EACH DEITY
Rs.1001	ARCHANAI FOR ALL DEITIES WITH SILVER KAVACHAM
Rs.2501	POOJA,JAPAM,HOMAM FOR EACH DEITY
Rs.3001	FLOWERS
Rs.5001	NEIVEDYAM
Rs.25001	ANNADHAANAM

BANK OF BARODA,MULUND
SB A/C No. 04070100017614
IFSC CODE:BARB0MULUND
5th CHARACTER IS ZERO

S.GANESAN
7045633903
SHIVKUMAR IYER
9820991630
S.SRIRAM
9821885029

चौबे जी छब्बे बनने चले थे दुबे बनकर लौटे

जगदीप धनकड़ के लिये इससे अच्छा मुहावरा कोई नहीं हो सकता था। कांग्रेस से शुरुआत की थी और उसी के चक्कर मे आखिर नेपथ्य मे भी गए। कांग्रेस का ये बयान की वाजपेयी जी अच्छे व्यक्ति थे यह सिद्ध करता है कि वाजपेयी सरकार की तर्ज पर मोदी सरकार गिराने का भी पूरा प्रबंध था लेकिन ये 1999 वाली बीजेपी नहीं है।

26 साल पहले 13 महीने मे वाजपेयी जी की सरकार गिरी थी, इन 13 महीनों मे मोदीजी की सरकार भी गिरानी थी लेकिन समय पर घर का भेदी पता कर लिया गया।

जगदीप धनकड़ ने चंद्रबाबू नायडू को तोड़कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बनाई थी। आश्चर्य मत कीजिए यदि ये नायडू जी ने ही लीक करवाया हो।

चंद्रबाबू नायडू इस समय NDA मे नंबर दो की पॉजिशन पर है, यदि इंडी मे गए तो वे पांचवे स्थान पर होंगे।

ऐसे मे बीजेपी को जितनी आवश्यकता TDP की है उतनी ही TDP को BJP की भी है। वैसे भी नायडू जानते है कि उनके जीवित रहते आंध्र मे कोई दूसरी पार्टी है नहीं।

लेकिन इसमें दो बाते स्पष्ट हो गयी, पहली कि बीजेपी ने जो खुद को केंद्रीयकृत किया वह बहुत अच्छा था। मेंढको को तराजू मे तोलना बहुत कठिन काम है बीजेपी ने केंद्रीयकरण करके इस समस्या से निजात पा ली।

दूसरा कि विपक्षी दलों से आये नेताओं को आपको संवैधानिक पद देने से बचना है। हालांकि ये बात समय समय पर RSS ने कही भी है, सिवाय ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस समय ऐसा कोई शख्स दिखता भी नहीं जो बड़ी पॉजिशन पर हो।

एक लेफ्ट विंग का व्यक्ति था सुधीन्द्र कुलकर्णी, ये वाजपेयी युग मे बीजेपी मे आया। 2004 मे आडवाणी का सलाहकर बना और इसी ने आडवाणी को वो युक्ति बताई थी कि जिन्ना की मजार पर जाकर रो दो।

आडवाणी कराची जाकर जिन्ना की मजार पर रो दिये और पाकिस्तानी मीडिया को कहा कि यहाँ सेकुलरिज्म का शूरमा सो रहा है। जिन्ना के जिन्न ने आडवाणी का पूरा करियर खात्म कर दिया। आडवाणी ने इतने वर्षो मे जो हिंदुत्व की कमाई की थी वह सब शून्य हो गया।

लेकिन वो कुलकर्णी उसे सब भूल गए, ये समस्या होती है ज़ब आप किसी बाहरी को बड़ा पद देते हो। जगदीप धनकड़ इसी की कड़ी बन गए थे लेकिन दाद देनी होंगी मोदी शाह की, इन्हे दिल्ली के हर कोने की जानकारी है।

जयराम रमेश ने सही कहा वाजपेयी अच्छे थे, अच्छे थे इसीलिए उनकी सरकार एक वोट से गिरा दी गयी थी और वे फूट फूट कर रोये थे। मोदीजी बुरे है इसलिए इटालियन राजमाता को खून के आंसू रुला रहे है।

अभी आप अमित शाह या किसी और संघी को तो आने दो आपको मोदीजी भी बहुत शरीफ लगेंगे।

ये बात भक्तगण भी याद रखे कि मोदी 3.0 अल्पमत की सरकार नहीं है। ये 293 सीटें प्री पोल गठबंधन को मिली है, लोगो ने नायडू नीतीश को वोट इसलिए दिया ताकि मोदीजी प्रधानमंत्री बने इसलिए इसे पूर्ण बहुमत की ही सरकार समझिये।

वैसे इस ड्रामे मे एक सबक मिला कि बीजेपी को 2027 मे उत्तरप्रदेश का चुनाव जान बूझकर हार जाना चाहिए। योगी आदित्यनाथ बहुत अच्छे नेता है मगर काफ़ी समय से ये गौर करने मे आ रहा है उनके नाम से बीजेपी को दो फाड़ करने का प्रयास हो रहा है।

सोशल मीडिया पर फैन क्लब गडकरी, शिवराज और फडणवीस के भी है मगर वे पार्टी मे आंतरिक प्रहार नहीं करते लेकिन योगी समर्थक ऐसा करते है। मैंने कई बार कमेंट्स मे देखा है कि योगीजी को प्रधानमंत्री बनाने को लेकर एक डेस्पिरेशन है।

वो डेस्पिरेशन जो बगावत को जन्म देती है, यदि बीजेपी उत्तरप्रदेश जान बूझकर हार जाए तो योगी का रथ स्वतः रुक जाएगा। मुख्यमंत्री तो अखिलेश ही बनेगा, वो दो साल मे यूपी की जनता को समझा देगा कि बीजेपी को उनकी नहीं उन्हें बीजेपी की जरूरत है।

लेकिन योगी और योगी समर्थक दोनों अलग है, पर्टिकुलर योगी बड़े अच्छे व्यक्ति है। लगता नहीं वे प्रधानमंत्री बनने के लिये दो फाड़ या बगावत जैसा कदम उठाएंगे। आशा है ये महज उनके फैन्स का उन्माद ही है।

हालांकि एक सेफ जॉन के लिये बीजेपी को योगी के लिये एक अलग भूमिका पर विचार कर लेना चाहिए।

बहरहाल जगदीप धनकड़ के इस्तीफे ने सिद्ध कर दिया कि मोदीजी को सिर्फ मोदीजी ही हटा सकते है। यदि षड़यंत्र से हटा भी दिया तो मध्यावधि चुनाव की ही नौबत आएगी और बीजेपी अकेले पूर्ण बहुमत मे आ जाएगी। यदि बीजेपी 2028 मे खुद ही अपनी सरकार गिरवा ले तो दुनिया की एंटी इनकमबेंसी से निजात मिल जायेगी।

अपने आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए 2 मिनट निकालकर यह पढ़ें

आचार्य रजनीश से उनके एक अनुयायी ने सवाल पूछा–

प्रश्नः कृपया बताएं जब हमारे घर, संपत्ति जला दी जाती है, जब जिहादी हत्या करते हैं, तब हमें क्या करना चाहिए? क्या हमें हिंदू–मुस्लिम भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए या अपनी सुरक्षा के लिए कुछ कदम उठाने चाहिए? कृपया मार्गदर्शन करें।

उत्तरः आपका प्रश्न ही आपकी मूर्खता दर्शाता है। ऐसा लगता है आपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। जब महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया, तो वह भारत का सबसे बड़ा और समृद्ध मंदिर था। वहां 1200 पुजारी केवल पूजा–पाठ में लगे थे और सोचते थे कि ईश्वर ही उनकी रक्षा करेंगे। उन्होंने कोई सुरक्षा उपाय नहीं किया। यहां तक कि क्षत्रिय भी मदद के लिए आगे नहीं आए। नतीजतन, महमूद ने हजारों निहत्थे पुजारियों की हत्या की, मूर्तियां और मंदिर तोड़ा और अपार धन लूट कर ले गया। भक्ति और ध्यान उन्हें नहीं बचा सके।

आज सैकड़ों वर्षों बाद भी वही मूर्खता दोहराई जा रही है। ऐसा लगता है कि आपने अपने महापुरुषों से कुछ नहीं सीखा।

अगर ध्यान इतना शक्तिशाली होता कि वह बुरे लोगों का हृदय बदल देता, तो रामचंद्र को हमेशा धनुष–बाण लेकर चलने की जरूरत क्यों पड़ती? क्या वे ध्यान से रावण का मन नहीं बदल सकते थे? उन्होंने युद्ध से ही निर्णय लिया।

अगर केवल ध्यान से ही बदलाव आता, तो पूर्णावतार श्रीकृष्ण को कंस और जरासंध की हत्या की ज़रूरत क्यों पड़ती? वे भी तो केवल ध्यान से उनका मन बदल सकते थे।

अगर ध्यान इतना प्रभावी होता, तो महाभारत का युद्ध नहीं होता। कृष्ण ध्यान से दुर्योधन का मन बदल सकते थे। लेकिन उन्होंने अर्जुन को युद्ध के लिए प्रेरित किया।

महाभारत इतिहास का सबसे बड़ा युद्ध था जिसमें करोड़ों लोग मारे गए। पिछले 1200 वर्षों में भारत में अनेक महर्षि, संत, जैसेकृगोरखनाथ, रैदास, कबीर, गुरु नानक, गुरु गोविंद सिंह हुए, पर वे भी मुस्लिम आक्रमणकारियों और ब्रिटिशों को रोक नहीं सके। लाखों हिंदुओं की हत्या की गई, जबरन धर्मांतरण हुआ।

गुरु नानक ने भले ही अपना दर्शन इस प्रकार रखा कि मुसलमान भी समझ सकें, लेकिन उसी परंपरा में गुरु गोविंद सिंह को तलवार उठानी पड़ी। निहत्थे सिखों को हथियार उठाने पड़े। इससे स्पष्ट है कि ध्यान से व्यक्ति आत्मिक परिवर्तन तो कर सकता है, लेकिन शारीरिक रक्षा स्वयं करनी पड़ती है।

हमें विज्ञान और तकनीक की मदद से अपनी रक्षा करनी होगी। भगवान श्रीकृष्ण ने केवल 5 गांव मांगे थेकृअगर वह मिल जाते, तो महाभारत न होता। उसी तरह आज हमें देश के हित में केवल 5 कानून चाहिएः

1. समान शिक्षा
2. समान नागरिक संहिता
3. धर्मांतरण नियंत्रण
4. घुसपैठ नियंत्रण
5. जनसंख्या नियंत्रण

अगर ये 5 कानून नहीं बनते, तो भारत के 9 राज्यों की तरह पूरे देश से सनातन धर्म समाप्त हो जाएगा।

भारत बचाओ आंदोलन हमारे देश और हमारी बहन–बेटियों को बचाने का आंदोलन है।

मैं जानता हूँ कि आप इसे आगे नहीं भेजेंगे। पढ़कर छोड़ देंगे।

लेकिन मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कम से कम एक व्यक्ति को यह संदेश भेजें।

अगर संकोच है, तो मुझे वापस भेज दीजिए, पर यह चेन न तोड़ें।

अगर आप सहमत हैं, तो कृपया इसे आगे भेजें।

वंदे मातरम्

जागो हिंदू, जागो।

मैं शपथ लेता हूँ कि कम से कम 10 लोगों को यह संदेश भेजूंगा।

भारत माता की जय।

वन रक्षक बना कटेहरी ब्लाक क्षेत्र का प्रभारी–सूत्र

अम्बेडकरनगर। क्या इसीलिए हरे पेड़ों के कटान पर नहीं लग पा रहा लगाम क्योंकि सिपाही (वन रक्षक) सम्भाल रहे कमान सूत्रों के अनुसार DFO अम्बेडकर नगर का करीबी होने के नाते मिला है प्रभार यहां तक ही नहीं सीमित है वन सिपाही रजत वर्मा पूरे जिले के सिस्टम को मैनेज करते हैं आलाकमान इन्हीं पर निर्भर रहते हैं लगभग अतिरिक्त जिम्मेदारी भी निभाते हैं। आए दिन वन माफियाओं का आतंक बढ़ता जा रहा है इसी ढुलमुल रवैय्या के कारण वन अधिकारी रजत वर्मा और वन माफियाओं का गहरा साठ गाँठ मजबूत संबंध है ।

सूत्रों ने बताया कि कोई भी ख़बर चलती है या कोई शिकायत कर्ता है तो वन अधिकारी के द्वारा तत्काल सूचित कर दिया जाता है तो कि आपके खिलाफ शिकायत की सूचना है वन अधिकारी के द्वारा कार्यवाही करने के पहले सूचित करने का लाभ ठेकेदार बखूबी उठाते हैं मालामाल होते हैं इसलिए अधिकांश मामले में कटी हुई लकड़ी बरामद नहीं होती है क्योंकि अधिकारी सूचना के बावजूद तब तक स्थल पर नहीं जाते जब तक ठेकेदार कटी लकड़ी पेड़ को सुरक्षित स्थान पर कर नहीं लेता भीटी तहसील अंतर्गत कई ऐसे स्थान है अड्डा है जहां प्रतिबंधित कटे हुए पेड़ की लकड़ी है जो वन माफियाओं के आतंक की गवाही दे रहे हैं तिवारीपुर प्रतापीपुर में ताजा मामला था जहां कटे हुए पेड़ की बरामदगी नहीं हो सकी इसी तिवारीपुर प्रतापीपुर का एक और वीडियो प्रकाश में आया है जहां कुछ महीने पूर्व लगभग 30 प्रतिबंधित पेड़ काटकर बेच दिए गए कोई कार्यवाही नहीं हुयी थी आखिर क्या कारण था वायरल वीडियो फोटो बयां कर रही हकीकत कटे हुए पेड़ के स्थान पर छोटे छूटे पेड़ निकले हैं जो चीख चीख कर अपने जन्मदाता के हुए हत्या की गवाही दे रहे हैं अब देखना क्या न्याय मिलेगा ईन पौधों को न्याय सूत्र बताते हैं कि अभी लगभग ऐसे ही 300 पेड़ इन्हीं ठेकेदारों के द्वारा कटने वाले है भीटी तहसील नया इतिहास रच रही है वन दरोगा होते हुए भी वन रक्षक को बना दिया गया है प्रभारी जब से वन रक्षक को प्रभारी बनाया गया है तब से कटेहरी ब्लाक अंतर्गत हरे पेड़ों की कटान नया इतिहास रच रही है।

आज का रात्रिः चिंतनः

गलत व गलती में बहुत मामूली सा फर्क होता है गलत सदा गलत नीयत से ही संभव होता है जबकि गलती सदा भूल वश होती है इसलिए गलतियां तो कीजिए पर गलत किसी के साथ मत कीजिए अगर गलत कर रहे है तो वक्त के साथ सजा के लिए भी तैयार रहिये परवरिश और संस्कार बहुत मायने रखते हैं सिर्फ पढ़ लिख कर कोई अच्छा इंसान नहीं बन सकता है मुस्कुराहट कठिन वक्त की श्रेष्ठ प्रतिक्रिया है और खामोशी गलत प्रश्न का बेहतरीन जवाब जमीं पर घर बनाया लेकिन स्वर्ग में रहते हैं हमारी खुशनसीबी हैं कि हम आप जैसों के बीच रहते हैं किसी काम की धुन लोगों को स्वयं से, उनकी कमियों से और विफलताओं से परे ले जाती है।

भाग्य वर्षा का पानी है और परिश्रम कुंए का जल वर्षा में नहाना आसान तो है लेकिन रोज नहाने के लिए हम वर्षा के सहारे नहीं रह सकते इसी प्रकार भाग्य से कभी कभी चीजे आसानी से मिल जाती है किन्तु हमेशा भाग्य के भरोसे नहीं जी सकते जीवन में बहुत मुश्किलें आयेगी कभी शिकायत नहीं करना क्योंकि भगवान एक ऐसा डायरेक्टर है जो सबसे कठिन रोल हमेशा बेस्ट एक्टर को ही देता है ढूंढो तो सुकून खुद में ही है दूसरो में तो उलझनें ही मिलेंगी किसी के सामने गिड़गिड़ाने से पहली बार शब्द सूखते हैं दूसरी बार आंसू सूखते हैं तीसरी बार जज्बात सूखते हैं फिर इंसान गिड़गिड़ा ता नहीं पत्थर बन जाता है अंत का भी अंत होता है कुछ भी कहॉ अनंत होता है पतझड़ भी एक घटना है बारह महीने कहॉ बसंत होता है किसी को अपना बनाओ तो दिल से बनाओ जुबान से नहीं और किसी पर गुस्सा करो तो जुबान से करो दिल से नही सुई में वही धागा प्रवेश कर सकता है जिस धागे में कोई गांठ नहीं हो कमजोर कोई नहीं होता परिस्थितीयाँ कमजोर बना देती है और घटिया लोग इसका फायदा उठा कर खुद को शेर समझते है

सत्य की राह पर हार भी मिले तो भी उसका त्याग नहीं करना चाहिए जीव यान में एक बात हमेशा स्मरण रखना कि सिद्धांतों पर चलकर हारना झूठ के बल पर जीतने से कई गुना बेहतर है जीवन में हार–जीत से भी कोई ज्यादा महत्वपूर्ण चीज है तो वो है आपके सिद्धांत सिद्धांत अर्थात सत्य का पथ श्रेष्ठता का पथ और शास्त्रानुकूल पथ जितने भी हमारे महापुरुष हुए हैं उनकी महानता के पीछे बस एक ही कारण था कि उन्होंने जीतने के बजाय हारना स्वीकार किया पर अपने सिद्धांतों का परित्याग कभी भी नहीं किया सत्य का पथ सुगम तो नहीं होता हाँ श्रेष्ठ जरूर होता है सत्य की राह पर अनेक मुश्किलों से आपको गुजरना पड़ेगा अनेक अटकलों से आपको जूझना पड़ेगा इन सबको सहने के बावजूद एक समय वो भी आयेगा जब आपकी निंदा करने वाली भीड़ ही आपकी सबसे बड़ी प्रशंसक बन गई होगी हमारी प्राथमिकता प्रशंसा युक्त जीवन की नहीं अपितु सत्य युक्त जीवन की होनी चाहिए

पुष्पों के गुच्छे की तरह उदार एवं मान शौर्यशाली सत्पुरुष की गति दो ही प्रकार की होती है या तो वह सभी लोगों के सिर पर रहता है अर्थात सब की अपेक्षा उच्च पद पर रहता है अथवा वन में ही उत्पन्न होकर वह नष्ट हो जाता है भाव यह कि आत्मसम्मान के इच्छुक लोगों का स्वभाव फूल जैसा होता है फूल या तो राजाओं और देवताओं के सिर पर ही चढ़ता है अर्थात सर्वोच्च स्थान पर पहुंचता है अन्यथा अपनी डाल से स्वतः टूट कर वहीं गिरकर सूख जाता है इसके अतिरिक्त वह कभी निम्न स्थान पर नहीं रहता मनस्वी पुरुष भी या तो सब लोगों के ऊपर रहते हैं अथवा जहां पैदा होते हैं वहीं चुपचाप अपना जीवन बिताकर नष्ट हो जाते हैं ना तो वे कभी नीच कार्य करके अपनी जीविका चलाते हैं ना अपमानित होकर किसी उचित स्थान पर जीवन बिताते हैं

कहने से कठिन सुनना होता हैं और सुनने से कठिन सहना पर सबसे कठिन होता हैं सब कुछ भूल कर सामान्य रहना फ़िक्र चाहे किसी की करो या मत करो मगर उनकी फ़िक्र सदा करो जिन्होंने तुम्हें बड़ा होने तक सदा हर बात से बेफ़िक्र रखा है कलयुग बड़ा विकराल रूप ले रहा है आज का राम दशरथ को बनवास भेज रहा है कुछ रिश्ते बंधन मुक्त होते हैं और डोर सिर्फ़ भरोसे की होती है इस दौर की हकीकत यही है कि सुन लिया तो सुलझ गए ओर सुखी हो गये और अगर सुना दिया तो उलझ भी गए ओर आपसी रिश्तों से भी गये जगत पर आत्मवेता महापुरुषों का बड़ा उपकार है अतः आदर पूर्वक उनकी सेवा करनी चाहिए मेरा मानना है कि संसार में हर वस्तु में अच्छे और बुरे दो पहलू हैं जो अच्छा पहलू देखते हैं वे अच्छाई और जिन्हें केवल बुरा पहलू देखना आता है वह बुराई संग्रह करते हैं इसलिए मेरा मानना है कि सलाह सबकी सुनो पर करो वह जिसके लिए तुम्हारा साहस और विवेक समर्थन करे तभी जीवन जीने में आंन्नद आयेगा और जीवन सुखद बनेगा अन्यथा पछतावे के अलावा कुछ नही मिलेगा केवल इंसान होना ही नहीं इंसान में इंसानियत होना भी जरुरी है जीवन मे इतनी तेजी से आगे दौड़ते रहना चाहिए की बुराई के धागे आपके पैरों मे आकर टूट जाय हम जिंदगी मे कमजोर बनकर रहेगे तो कठिनाइयां सबसे पहले अपने ऊपर ही आक्रमण करेगी बहुत सुंदर है भगवान शिव बहुत भयंकर भी है भगवान शिव

हमेशा अकेले खड़े रहने का साहस कीजिए दुनियां ज्ञान देती है साथ नहीं गलत व्यक्तियों का चयन हमारे जीवन को प्रभावित करे या न करे लेकिन एक सही व्यक्ति की उपेक्षा हमें जीवन भर पछताने पर मजबूर कर सकती है गलती करने के लिए कोई भी समय सही नहीं और गलती सुधारने के लियें कोई भी समय बुरा नहीं कड़वी बातें और पिन अक्सर चुभती है क्योंकि उस में प्वाइंट होता है हालात वो ना रखें जो हौसलों को बदल दें बल्कि हौसला व रखो जो हालातों को बदल दें सुंदर लाइन कर्ता करे न कर सके भगवान श्री राम करे सो होय तीन लोक नौ खंड में श्री राम से बड़ा न कोय राम जी की निकली सवारी राम जी की लीला है न्यारी एक तरफ लक्ष्मण एक तरफ सीता बीच में जगत के पालन हारी राम जी की निकली सवारी मर्यादा पुरूषोत्तम राम जिनका नाम है धर्म नगरी अयोध्या जिनका धाम है ऐसे प्रभु श्री राम को हमारा प्रणाम है

समय को काटना नहीं, जीना है समय का दुरुपयोग जीवन को अनुपयोगी बना देता है समय का सदुपयोग न करना ही जीवन को अनुपयोगी बना देना है इसलिए समय को केवल काटना नहीं अपितु जीना भी सीखो समय काटना अर्थात समय का दुरुपयोग करना और समय को जीना अर्थात समय का सदुपयोग करना है समय उन लोगों द्वारा ही जिया जाता है जो निरंतर पुरुषार्थ में लगे हुए हैं जो नये सृजन और सफल होने के लिए निरन्तर कर्म करने में विश्वास रखते हैं कालो न यातो वयमेव याताः अर्थात वास्तविकता तो यही है कि मनुष्य समय नहीं काटता अपितु समय ही क्षण–क्षण और पल–पल उसे काट रहा है पुरुषार्थ को छोड़कर केवल प्रारब्ध में विश्वास रखने वाले मनुष्य ही समय को जीने की अपेक्षा काटने में लगे रहते हैं प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना सीखो ताकि आप अपने जीवन को उन्नति और उत्थान की ओर अग्रसर कर सकें

श्री रघुनाथजी फिर आगे चले ऋष्यमूक पर्वत निकट आ गया। वहाँ ऋष्यमूक पर्वत पर मंत्रियों सहित सुग्रीव रहते थे अतुलनीय बल की सीमा श्री रामचंद्रजी और लक्ष्मणजी को आते देखकर सुग्रीव अत्यंत भयभीत होकर बोले हे हनुमान् सुनो ये दोनों पुरुष बल और रूप के निधान हैं तुम ब्रह्मचारी का रूप धारण करके जाकर देखो अपने हृदय में उनकी यथार्थ बात जान कर मुझे इशारे से समझाकर कह देना यदि वे मन के मलिन बालि के भेजे हुए हों तो मैं तुरंत ही इस पर्वत को छोड़कर भाग जाऊँ यह सुनकर हनुमानजी ब्राह्मण का रूप धरकर वहाँ गए और मस्तक नवाकर इस प्रकार पूछने लगे हे वीर साँवले और गोरे शरीर वाले आप कौन हैं जो क्षत्रिय के रूप में वन में फिर रहे हैं हे स्वामी कठोर भूमि पर कोमल चरणों से चलने वाले आप किस कारण वन में विचर रहे हैं मन को हरण करने वाले आपके सुंदर कोमल अंग हैं और आप वन के दुःसह धूप और वायु को सह रहे हैं क्या आप ब्रह्मा विष्णु महेश इन तीन देवताओं में से कोई हैं या आप दोनों नर और नारायण हैं

पाप पुण्य के चक्कर में संसार पड़ा है सबसे बड़ा पाप है परमात्मा को नहीं जानना सबसे बड़ा पुण्य है परमात्मा की प्राप्ति मन में जब परमात्मा बसते हैं तो माइंड बहुत स्ट्रांग होता है जैसे ही मन में माया समाती है मन कमजोर हो जाता है समस्या का समाधान इस बात पर निर्भर करेगा कि हमारा सलाहकार कौन है ये बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि दुर्योधन शकुनि से सलाह लेता था और अर्जुन श्रीकृष्ण से हरि इच्छा के बिना कुछ भी नहीं होता इंसान तो सिर्फ निमित्त मात्र है मिट्टी का पुतला सियाराम जो सित की नाई सबै नचावत राम गोसाईं जो निखर कर बिखर जाए वो कर्तव्य और जो बिखर कर निखर जाए वो व्यक्तित्व है.

फ्फूल चाहे कितनी भी ऊँची टहनी पर लग जाये लेकिन खिलता तभी ही है जब मिट्टी से जुड़ा रहता है इसलिए मित्र/सखा सदैव मिट्टी से जुड़े रहे ऊंचाइयां मिलती रहेंगी मन भी कितना विचित्र है दुर्भाग्य पर संदेह नहीं करता और सौभाग्य परध विश्वास नहीं करता आप पूर्ण नहीं हैं इसे स्वीकार करने में शर्म कैसी दिल के अच्छे होने से बेहतर है आप जुबान से भी अच्छे हों लोगों का वास्ता पहले जुबान से पड़ता है दिल तक तो कुछ खास लोग ही पहुंच पाते हैं जिनके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ होता है उनके पास रूठने और टूटने का वक्त नहीं होता सोच कर बोलना और बोलकर सोचना मात्र दो शब्दों के आगे पीछे इस्ते माल से ही परिणाम बदल जाते हैं

श्रीहनुमतेः वंदनाः
जय जय श्री राम
हं हनुमतेः नमः

अतुलित, बलधामं, हेमशैलाभदेहम्, दनुजवन कृशानुं, ज्ञानिनामग्र गण्यम्। सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि

संकट कटे मिटे सब पीरा,जपत निरन्तर हनुमत बलबीरा,जय जय जय हनुमान गोसाईं,कृपा करो गुरुदेव की नाई

आपकी आज की, श्री रामजी के परम भक्त अंजनीनंदन, रूद्रावतार संकटमोचन बजरंगबली आपकी समस्त कामनाओं की पूर्ति करें, आपका सदा कल्याण करें

जय श्रीकृष्ण राधेराधे
शुभरात्रि मंगलमय हो

"पुनर्वसू मित्तल आयुर्वेद महाविद्यालय के पूर्वछात्रोंका स्नेहमिलन समारोह संपन्न–वैद्य राकेश शर्मा हुए सन्मानित"

मुंबई अंधेरी स्थित हॉटेल तुंगा इंटरनॅशनल में श्री मित्तल आयुर्वेद स्नातक संघ द्वारा स्नेहमिलन एवं प्रीतिभोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया स इस कार्यक्रम में भारतीय चिकित्सा प्रणाली राष्ट्रीय आयोग में कार्यरत रहे अध्यक्ष, आचार एवं पंजीयन बोर्ड राष्ट्रीय आयोग, भारतीय चिकित्सा पद्धति – नई दिल्ली तथा पूर्व डायरेक्टर आयुर्वेद – पंजाब सरकार वैद्य राकेश शर्मा इनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आयुर्वेद क्षेत्र की प्रमुख हस्तियाँ एवं वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित हुए और डॉ. राकेश शर्मा के दशकों के उल्लेखनीय योगदान को हृदय से सराहा और कृतज्ञता प्रकट की। डॉ.शर्मा ने अपने कार्यकाल में आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने तकनीक और परंपरा के संतुलन के साथ नीति निर्माण से लेकर जमीनी स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तक अत्यंत प्रभावशाली कार्य किए। इस समारोह की गरिमा को अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वैद्य रामदास आव्हाड, राष्ट्रीय संगठन मंत्री वैद्य अनिल दुबे सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथियों ने बढ़ाया।

उपस्थित प्रमुख अतिथियों में शामिल रहेः महाराष्ट्र आयुर्वेद सम्मेलन की जनरल सेक्रेटरी वैद्य श्रीमती ऋजुता दुबे, वैद्य श्री ओमप्रकाश दुबे ,नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर , डॉ. संजय छाजेड़, वैद्य हरी सिंह, डॉ. राजदेव यादव, डॉ. जगदीश राय, वैद्य महेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. कल्पना चौधरी, डॉ. विनोद मेहता और डॉ. घनश्याम शर्मा ५ सभी विशिष्टजनों ने डॉ. राकेश शर्मा को शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया।कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. छोटे लाल यादव द्वारा किया गया। इस आयोजन में एस्सेल ग्रुप की हिल वेलनेस क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय शर्मा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

डॉ. छोटे लाल यादव ने सभी आमंत्रित अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा की "आप सभी ने इस स्नेहमिलन में सहभागी होकर वैद्य राकेश शर्मा का सम्मान किया, इसके लिए हम हृदय से आभारी हैं।" यह समारोह न केवल स्नेहमिलन और एक वरिष्ठ प्रशासक को ससम्मान विदाई देने का अवसर था, बल्कि आयुर्वेदिक बिरादरी की एकजुटता और परंपरा के प्रति आदरभाव का भी प्रतीक रहा। पूरे बैच के छात्रों ने कार्यक्रम में बड़े उत्साह से भाग लिया। सभी ने खूब मस्ती की, गाने गाए, पुरानी यादें ताज़ा कीं और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

जबरदस्त छलके जयपुर में कविताओं के जाम

(एक ही दिन में नौ कवि सम्मलेन शहीदों के नाम)

जयपुर। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में जयपुर ने एक अनोखा इतिहास रचा है। गुरुकुल नामक संस्था द्वारा

गुरुकुल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसके तत्वावधान में जयपुर के अलग–अलग स्थानों पर एक ही दिन में 9 कवि सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जो कवि सम्मेलनों के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है।

इस आयोजन में देश भर से लगभग 75 प्रसिद्ध कवि और कवयित्रियों ने भाग लिया जिन्होंने अपनी देश भक्ति, हास्य, करुण और श्रृंगार रस से ओतप्रोत कविताओं से श्रोताओं को रस सिक्त किया। कवि सम्मेलनों का आयोजन जयपुर के विभिन्न स्थानों पर किया गया। इंजीनियरिंग कॉलेज जे ई सी आर सी में मुंबई से पधारे हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के सफल संचालन में डॉ. काव्या मिश्रा, मनीष तिवारी, गौरीशंकर धाकड़,रमेश पांचाल, सुमित भारती, बालमुकुंद पुरोहित ने श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। इसी के साथ पाथेय कण भवन सभागार, महावीर स्कूल सभागार, रेलवे अफसर क्लब, राजस्थान चेम्बर भवन, एच डी एफ सी बैंक, अग्रवाल कॉलेज सभागार, परमार्थ सेवा संस्थान, डोगमा कंपनी मुख्यालय और एक राष्ट्रीय चैनल पर अखंड कवि सम्मेलन शामिल हैं।

इस आयोजन के संयोजक किशोर पारीक और सुरेंद्र यादवेंद्र ने बताया कि यह आयोजन कवि सम्मेलनों के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है और इसे एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्राप्त की गई है। यह महोत्सव 25, 26 और 27 जुलाई तीन दिनों तक चला। हास्य कवि कैलाश सोनी सार्थक को गुरुकुल के प्रमुख,छंद विशेषज्ञ गुरु सक्सेना ने 'गुरु सक्सेना काव्य गौरव' पुरस्कार प्रदान किया। इस आयोजन के माध्यम से जयपुर ने एक बार फिर से अपनी सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित किया है और यह आयोजन शहर के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाने में सफल रहा है। इस महोत्सव में देश के प्रसिद्ध महाकवि करुण जी, ओजरस के विनीत चौहान, शशिकांत यादव,अजात शत्रु,अजय अंजाम,लोकेश महाकाली, जयकुमार रुसवा, डाक्टर विवेक सक्सेना, डा. शंकर सहर्ष, डा. अनीता सोनी, सपना सोनी, राष्ट्रीय संगम के जगदीश मित्तल, आर.के अग्रवाल बाबूजी , कैलाश मंडेला, केशरदेव मारवाड़ी सहित तमाम छंद साधक उपस्थित थे।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।

सोच अच्छी ख़बर सच्ची